स्टोन डैज़र्ट के नाम से विख्यात बुलगारिया के पोबीटी कमानी क्षेत्र में पहुँचकर सबसे पहले दो ही शब्द दिमाग में आते हैं ''अजीब और अनोखा''। रेगिस्तान की जमीन से निकलते, विचित्र आकार वाले पत्थर के खम्भे चारों तरफ नज़र आते हैं। बुल्गारिया के शहर वारना के पास स्थित पोबीटी कमानी युनैस्को वर्ल्ड हैरिटेज साइट है। पोबीटी कमानी का अर्थ है, ''स्टोन बीटन इन्टू द ग्राउंड''। इस डैज़र्ट लैंड स्केप में खोखले खम्भों जैसी कई प्राकृतिक चट्टानें हैं। जिन्हें देखकर ऐसा लगता है मानो, पूरी तरह पत्थर से बने किसी प्राचीन जंगल के अवशेष हैं ये पत्थर के स्तम्भ अलग-अलग आकार के हैं। कुछ तो 9 मीटर लम्बे हैं तो कुछ खोखले व ठोस। इनका व्यास 0.3 से लेकर 3 मीटर तक है। कुछ स्तम्भ इतने बड़े हैं कि, एक वयस्क व्यक्ति उनके अंदर बैठ सकता है। पोबीटी कमानी रॉक क्षेत्र 13 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है। बैलोस्लाव लेक के उत्तर व दक्षिण में चट्टानों के सात बड़े और पृथक समूह हैं। दिकिलीताश रॉक ग्रुप सबसे अच्छी स्थिति में हैं। कारीएराटा रॉक ग्रुप में इंसान द्वारा निर्मित चट्टानें भी हैं। इस क्षेत्र को संरक्षण देने के लिए 1930 के दशक में इसे ''नैचुरल लैंडमार्क'' करार दिया गया था। वर्तमान में यह इकोलॉजिकल नैटवर्क ''नैचुरा 2000'' का अंग है। यह क्षेत्र, देश के भीतरी भाग में सबसे बड़े ''सैण्ड हैबिटैट'' के रुप में, संरक्षण की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है और यहाँ पर अनेक विशिष्ट वनस्पति व जीव भी मिलते हैं। इसे युनैस्को वर्ल्ड हैरिटेज साइट लिस्ट में भी शामिल किया गया है। इस तरह का लैंड स्केप ऑस्ट्रेलिया में भी है। इसके बारे में कई सिद्धांत प्रचलित हैं, पर किसी भी सिद्धांत की पुष्टि नहीं हुई है। कुछ का कहना है कि, यह संरचना समुद्री लहरों, हवा और बारिश की वजह से बनी है।

क्या खड़गे की मोदी की रावण से तुलना भारी पड़ेगी गुजरात चुनाव में

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी क्या गुजरात विधानसभा के पिछले कई चुनावों की भांति एक बार फिर मतदाताओं की सिंपैथी हासिल करने में सफल होंगे और भाजपा को कांग्रेस और आम आदमी पार्टी जैसे अपने प्रतिद्वंदियों पर विजय दिलवाएंगे?

राजनीतिक और सामाजिक हलकों में यह प्रश्न बहस और चर्चा का विषय है तथा परिपक्व राजनीतिक विशेषज्ञ व पर्यवेक्षक इस मुद्दे पर अपनी अलग-अलग राय दे रहे हैं। गुजरात कांग्रेस के एक नेता की ''औकात'' टिप्पणी पर प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया के बाद भाजपा ने कांग्रेस के नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को प्रधानमंत्री की तुलना ''रावण'' से करने पर आड़े हाथ लिया और इस टिप्पणी को संदर्भ से हटाने की मांग की।

पिछले 27 साल से गुजरात में लगातार शासन कर रही भाजपा ने खड़गे पर गुजरात के पुत्र का बार-बार अपमान करने का आरोप लगाया है।

खड़गे ने अगले माह होने जा रहे चुनावों से पूर्व अहमदाबाद में एक रैली को संबोधित करते हुए ऐसी टिप्पणी की थी।

खड़गे ने श्रोताओं का हास्य और प्रशंसा बटोरते हुए कहा था ''मोदी जी प्रधानमंत्री हैं। वह अपना काम भूलकर कॉरपोरेशन चुनाव, विधायक चुनाव, सांसद चुनाव हर कहीं चुनाव प्रचार करते रहते हैं। वह हमेशा खुद के बारे में बात करते हैं- आपको किसी और को नहीं देखना होता, सिर्फ मोदी और वोट को देखिए। हमें कितनी बार आपका चेहरा देखना पड़ता है? आपके कितने रूप हैं? क्या रावण की जैसे आपके दस सिर हैं?''

■ **गुजरात पुत्र, नरेन्द्र मोदी के पक्ष में सहानुभूति जागृत होगी, जिसका लाभ मिलेगा भाजपा को गुजरात के चुनाव में।**

कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि प्रत्येक चुनाव में, उम्मीदवार प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर वोट मांगते हैं।

कांग्रेस के इस सीनियर नेता ने कहा कि ''मैं देखता रहा हूं कि चाहे नगरपालिका चुनाव हों, कॉरपोरेशन चुनाव हों या विधानसभा चुनाव हों, मोदी जी के नाम पर वोट मांगे जाते हैं। क्या मोदी नगर पालिका में काम करने आ रहे हैं? क्या वे संकट के समय में आपकी मदद करने वाले हैं।''

भाजपा आई.टी. सैल के प्रमुख अमित मालवीय ने कठोर टिप्पणी के साथ एक वीडियो साझा किया।

मालवीय ने लिखा कि ''गुजरात चुनावों में हाशिए पर आ जाने को बर्दाश्त नहीं कर पा रही कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बोलते वक्त अपना संतुलन खो रहे हैं। वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रावण कहते हैं। ''मौत के सौदागर से लेकर रावण तक।'' कांग्रेस गुजरात और उसे पुत्र का निरन्तर अपमान कर रही है।

ट्वीट में 2007 के गुजरात चुनाव के दौरान, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की विवादास्पद टिप्पणी ''मौत का सौदागर'' का जिक्र किया गया, जिसमें 2002 के दंगों को लेकर प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाया गया था, जो उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री थे।

गुजरात में 1 तथा 5 दिसम्बर को मतदान होगा तथा परिणामों की घोषणा 8 दिसम्बर को होंगी।

भाजपा की रणनीति के बारे में बात करते हुये, प्रोफेसर रमेश दीक्षित ने बहुत ज्यादा प्रयुक्त रणनीति की सफलता पर संदेह व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लोग एक ही प्रकार के दाँव-पेजों से उकता गये हैं तथा सहानुभूति पैदा करने की भावनात्मक कोशिशों से प्रभावित होना बंद कर चुके हैं।

राजनैतिक ऐक्टिविस्ट रमेश तालपाडे ने का कि जब लोग बार-बार उन्हीं रणनीतियों तथा दाँव-पेजों को देखते हैं, तो उनसे फिर वैसा ही लाभ मिलना बंद हो जाता है मेरे ख्याल से हो अब मोदी की छवि में दरारें पड़ना शुरु हो गई है तथा इस बार खड़गे द्वारा की गई तुलना मोदी के प्रति उतनी सहानुभूति पैदा नहीं कर पायेगी तथा इसका एक कारण यह भी है कि खड़गे एक दलित नेता हैं। तालपाडे ने कहा कि अगर यह तुलना गांधी परिवार के किसी व्यक्ति ने की होती, तो स्थिति अलग होती।

लेकिन एक अन्य नेता राम विभोर का विचार है कि मोदी अजेय हैं तथा खड़गे की टिप्पणी से भाजपा को ही मदद मिलेगी।

पूनिया चुनाव प्रचार के लिए गुजरात दौरे पर

जयपुर, 29 नवम्बर (का.सं.)। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल के साथ राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने बनासकांठा ज़िले के पालनपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी अनिकेत ठाकर और डीसा विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी प्रवीण माली के समर्थन में लक्ष्मीपुरा में जनसभा और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को संबोधित किया। डॉ. पूनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल एवं मजबूत नेतृत्व में शांति, समृद्धि, विकास, जन कल्याणकारी योजनायों और सुरक्षा के जन विश्वास के मुद्दे पर गुजरात में भाजपा की दमदार वापसी हो रही है, राजस्थान के कार्यकर्ता भी मिशन गुजरात के लिए अथक परिश्रम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि, कार्यकर्ताओं के परिश्रम और जनता के आशीर्वाद से 2022 में गुजरात और 2023 में राजस्थान में भाजपा ऐतिहासिक जीत के साथ सत्ता पर काबिज होगी।

■ **सतीश पूनिया ने पालनपुर और डीसा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशियों के लिए जनसभाएं कीं।**

प्र.मंत्री मोदी के बारे में कांग्रेस अध्यक्ष के अशोभनीय, असभ्य बयान को गुजरात सहित पूरा देश स्वीकार नहीं करेगा: पूनिया

चुनाव प्रचार के लिए गुजरात गए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. पूनिया ने कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के बयान की कड़ी आलोचना की

बनासकांठा, 29 नवम्बर (का.सं.)।। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल के साथ राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने बनासकांठा ज़िले के पालनपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी अनिकेत ठाकर और डीसा विधानसभा क्षेत्र में प्रवीण माली के समर्थन में लक्ष्मीपुरा में जनसभा और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को संबोधित किया।

डॉ. पूनिया ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल एवं मजबूत नेतृत्व में शांति, समृद्धि, विकास, जन कल्याणकारी योजनाओं ओर सुरक्षा में जनता का विश्वास है और इस आधार पर गुजरात में भाजपा की दमदार वापसी हो रही है, राजस्थान के कार्यकर्ता भी मिशन गुजरात के लिए अथक परिश्रम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि, कार्यकर्ताओं के परिश्रम और जनता के आशीर्वाद से 2022 में गुजरात और 2023 में राजस्थान में भाजपा ऐतिहासिक जीत के साथ सत्ता पर काबिज होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर पलटवार करते हुए डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि, ''मल्लिकार्जुन खड़गे कहते है कि नगर पालिका का चुनाव आता है तो मोदी का चेहरा, विधानसभा का चुनाव आता है तो मोदी का चेहरा, लोकसभा का चुनाव आता है तो मोदी का चेहरा, खड़गे ने यह कहते हुए मोदी के खिलाफ जो अशोभनीय, अलोकतांत्रिक एवं अमर्यादित बयान दिया, उसे गुजरात सहित पूरा देश स्वीकार नहीं करेगा।

■ **पूनिया ने कहा, मल्लिकार्जुन खड़गे के असभ्य बयान का जवाब देने के लिए भगवान श्रीराम के उपासक और अनन्य भक्त नरेन्द्र मोदी के समर्थन में राम भक्त ईवीएम के इतने बटन दबाएंगे कि गुजरात में भाजपा का कमल ही दिखेगा और कमल ही खिलेगा।**

डॉ. पूनिया ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजनीति को सेवा धर्म मानकर देश के जन कल्याण के लिए कार्य करते हैं। सब लोग जन्म, मरण और परण में राम-राम करते हैं, पर जिस व्यक्ति ने पवित्र स्थान श्रीराम जन्मभूमि पर अपने हाथों से भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण शुरू करवाया, उनके बारे में किसी खड़गे की क्या औकात हो सकती है कि उनकी तुलना रावण से करें।

पूनिया ने कहा कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए अशोभनीय टिप्पणी की है। सर्वप्रथम तो यह कहना चाहूंगा कि एक सभ्य व्यक्ति और असभ्य व्यक्ति के भीतर मूलत: भाषा और मर्यादा का ही अंतर होता है और ऐसी टिप्पणी करके प्रधानमंत्री की मर्यादा की बजाए सबसे पहले अपनी ही रही सही मर्यादा नीचे ले जा रहे हैं।

उन्होंने जनता से कहा यह तय करके जाएं कि हमें कोई हथियार से और जुबान से मुकाबला नहीं करना है, जो ईवीएम है वोटिंग मशीन है, मैं आपसे झोली फैलाकर निवेदन करने आया हूं, चाहे पंचायत करिए, चाहे भाई को समझाइए, लेकिन लक्ष्मीपुरा के बूथ से गांव के बड़े बुजुर्ग, नौजवान, माताएं-बहनें यह संकल्प लेकर जाएं कि खड़गे की इस अमर्यादित और अशोभनीय भाषा का जवाब हम रामपंथी लोग, भगवान श्रीराम के प्रति आस्था रखने वाले लोग, श्रीराम के उपासक और श्रीराम के अनन्य भक्त श्री नरेन्द्र मोदी के समर्थन में ईवीएम के इतने बटन दबाएंगे कि कांग्रेस का बूथ खाली रह जाएगा और भारतीय जनता पार्टी का कमल ही कमल दिखेगा और कमल ही खिलेगा। जिस कांग्रेस शासन में देश में और राज्य में आतंकवाद राक्षस बना अट्टहास करता रहा, भला और किसे देखेंगे। जिनके राज में दंगों की आग में देश लंका की तरह जलता रहा, वे भला और कौन सी दृष्टि रखेंगे? जिनके राज में हमारी सीताओं को अपहरण का दंड झेलना पड़ा, वे भला और कौन सी बानगी दे सकेंगे। उन्होंने कहा, मोदी के के ऊपर की गई कांग्रेस अध्यक्ष की टिप्पणी के संबंध में मैं साथ में यह भी कहना चाहूंगा कि, सोने को सौ साल धरती में गाड़ कर रखने पर भी उसकी चमक नहीं खोती। उसे तपा कर देखें, तब भी वह सुवर्ण ही रहेगा।

मणि को शिखर पर रखना है या सोपान पर, यह बात उसका पारखी ही जानता है। लोकतंत्र में मणि का पारखी किसी दल का अध्यक्ष नहीं, अपितु जनता जनार्दन होती है और जनता जनार्दन ने विभिन्न निर्वाचनों में यह सिद्ध कर दिया है कि वह उनमें अपने आदर्श की मूर्ति देखती है।

अलवर सहित तीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समक्ष उठा सकते हैं। वहीं अदालत ने सवाई माधोपुर, दौसा और बारां जिला क्रिकेट संघों की ओर से आर.सी.ए. के पूर्व में तीस नवंबर को होने वाले चुनाव की वोटर लिस्ट को चुनौती देने वाली याचिकाओं को सारहीन मानकर निस्तारित कर दिया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह की एकलपीठ ने यह आदेश इन छह जिला संघों की याचिकाओं को निस्तारित करते हुए दिए।

सवाई माधोपुर सहित तीनों जिला क्रिकेट संघों की याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान आरसीए ने कहा कि इन जिला संघों ने वोटर लिस्ट को चुनौती दी है, लेकिन जिस वोटर लिस्ट को चुनौती दी है उसके आधार पर चुनाव ही नहीं हुए हैं। इसलिए ये याचिकाएं सारहीन हो गई हैं। ऐसे में इन याचिकाओं को निरस्त किया जाए। जबकि श्रीगंगानगर, नागौर व अलवर जिला क्रिकेट संघों की मान्यता से जुडे मामले में आर.सी.ए. के अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने कहा कि आर.सी.ए. 4 जुलाई के इन जिला संघों की मान्यता रद्द करने वाले प्रस्ताव को खुद ही रद्द कर रहा है और इन्हें सदस्यता से इन्हें बेदखल नहीं कर रहे हैं।

इसलिए इन याचिकाओं को भी निस्तारित किया जाए। इस पर जिला क्रिकेट संघों के अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने भी आर.सी.ए. के सुझाव पर अपनी सहमति दी। जिस पर अदालत ने तीनों जिला क्रिकेट संघों की याचिकाओं को निस्तारित कर दिया।

नाबालिग के प्रेमी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में दर्ज एफ.आई.आर. खारिज

राजस्थान हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला कर पुलिस द्वारा पॉक्सो एक्ट में दर्ज एफ.आई.आर. रद्द कर दी

जोधपुर, 29 नवम्बर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज एक एफआईआर को रद्द कर दिया। एक युवक पर सोलह वर्षीय लड़की के साथ सम्बन्ध बनाने और उससे कारण एक बच्चे का जन्म होने पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

न्यायाधीश दिनेश मेहता ने कहा कि ऐसे मामलों में कोर्ट मूक दर्शक नहीं रह सकता। यदि इस केस को आगे बढ़ाया गया तो याचिकाकर्ता को दस वर्ष की सजा हो सकती है। इसका सीधा प्रभाव दोनों के परिवार के साथ ही प्रेम प्रसंग के बाद उपजे बच्चे पर पड़ेगा। इन सभी को ध्यान में रखते हुए याचिकाकर्ता के खिलाफ दर्ज एफआईआर को खारिज किया जाता है।

■ **हाई कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि, कोर्ट किसी नाबालिग के साथ सैक्सुअल संबंध का पक्षधर नहीं है और न ही किसी को ऐसा करने की अनुमति प्रदान करता है। लेकिन यह सत्य है कि प्यार किसी कानूनी या सामाजिक नियमों को ध्यान में रख कर नहीं होता।**

■ **इस वर्ष अगस्त माह में उम्मेद अस्पताल में एक सोलह वर्षीय नाबालिग के एक पुत्र को जन्म देने के बाद उसके बयान के आधार पर देवनगर थानाधिकारी ने 22 वर्षीय याचिकाकर्ता के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज किया गया था।**

याचिकाकर्ता के वकील गजेन्द्र पंवार ने कहा कि याचिकाकर्ता और नाबालिग के बीच प्रेम सम्बन्ध थे। नतीजों की जानकारी से बेपरवाह हो दोनों ने आपसी सम्बन्ध बनाए। इससे नाबालिग गर्भवती हो गई और उसने एक पुत्र को जन्म दिया।

इस मामले में न तो पीड़िता की तरफ से और ना ही उसके परिजनों की तरफ से पुलिस में किसी प्रकार की शिकायत दर्ज कराई गई। पूरा मामला पुलिस ने अपनी तरफ से ही दर्ज किया है। बाद में दोनों परिवार के बीच समझौता हो गया। दोनों परिवार नहीं चाहते है कि इस मामले में याचिकाकर्ता को सजा हो।

''कश्मीर फाइल्स'' पर राजनीतिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

''भारतीय संस्कृति में, अतिथि को भगवान माना जाता है। आपने आई.एफ.एफ.आई. गोवा में, जजों के पैन की अध्यक्षता करने भारत के आमंत्रण तथा उसके साथ ही आपको दिये गये सम्मान, विश्वास तथा भाव प्रवण आतिथ्य के प्रति निकृष्टतम तरीके से दुर्व्यवहार किया है।''

इज़राइली राजदूत ने कहा कि उनके देशवासियों को अनुगृहीत अनुभव करना चाहिये कि भारतवासी, इज़राइल की प्रस्तुतियों, जिनमें ''फोडा'' टी.वी. सीरीज भी शामिल का बड़ी मात्रा में उपभोग कर रहे हैं। उन्होंने लम्बे ट्वीट्स में कहा, ''मैं कोई फिल्म विशेषज्ञ नहीं हूँ लेकिन मैं यह तो जानता ही हूँ कि ऐतिहासिक घटनाओं के बारे में, उनका गहराई से अध्ययन किये बिना कुछ भी बोलना असंवेदनशीता एवं घृष्टता है।'' उन्होंने कहा कि ''ये घटनाएं भारत के खुले जख्म है क्योंकि इस समय भी अनेक लोग इसे भुगत रहे हैं तथा इसकी कीमत चुका रहे हैं।''

नादव लेपिड ने कल कहा था कि फिल्म फेस्टिवल की जूरी के सदस्य ''कश्मीरी फाइल्स'' देखकर ''विक्षुब्ध एवं स्तब्ध'' थे। उन्होंने कहा था कि ''यह (फिल्म) हमें एक प्रोपेगन्डा, अभद्र तथा इतने प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल के कलात्मक प्रतिस्पद्धी वर्ग के अनुपयुक्त महसूस हुई।'' इस समीक्षा को लेकर तीखी एवं जबरदस्त आलोचना का सामना कर रही जूरी ने स्वयं को उक्त टिप्पणी से अलग कर लिया है तथा इस टिप्पणी को लेपिड की ''निजी राय'' बताया है।

लेपिड के साथी जूरी-सदस्य सुदीप्तो सेन ने आई.एफ.एफ.आई. बोर्ड के बयान को ट्वीट किया है तथा कहा है कि उक्त टिप्पणियाँ उनकी (लेपिड) निजी राय थीं, जूरी की सामूहिक राय नहीं।''

फिल्म ''कश्मीर फाइल्स'', जिसका निर्देशन विवेक अग्निहोत्री ने किया था, 1990 में कश्मीरी पंडितों की हत्याओं तथा उनके पलायन के इर्द-गिर्द घूमती है। यह फिल्म मार्च में रिलीज होती ही विवादों की कीचड़ में फँस गई थी। जहाँ बहुत से लोगों ने इसे एक दुखद दौर का हृदय विदारक चित्रण बताया था, वहीं आलोचकों ने इसके तथ्यों पर अयथार्थ होने का आरोप लगाया था।

''कश्मीर फाइल्स'', जो 11 मार्च को रिलीज हुई थी, आई.एफ.एफ. में ''इंडियन पेनोरमा सैक्शन'' का हिस्सा थीं तथा 22 नवम्बर को दिखाई गई थी। 1952 में स्थापित आई.एफ.एफ.आई. के सामने ऐसी खराब स्थिति इससे पूर्व कभी नहीं आई है। यह इसी बार हुआ है तथा इसका कारण रहा है- इज़राइली राज व्यवसीा तथा समाज की प्रकृति की समझ का अभाव या उसे समझने में हुई चुक।

ऑल इज़...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दोहराया कि ये दोनों ही नेता पार्टी के लिये ''असैट्स'' (परिसंपत्ति) हैं तथा यह सुनिश्चित करने के प्रयास चल रहे है कि दोनों के बीच की शत्रुता सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित न हो।
अब समय आ गया है कि गहलोत और पायलट के बीच की ''नई दोस्ती'' की प्रतीक्षा करें और देखे।

पाकिस्तान से ड्रोन से हेरोइन की तस्करी

जालंधर, 29 नवंबर। सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.) के जवानों ने पंजाब के अमृतसर और तरनतारन में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान के हेरोइन तस्करी के प्रयास को नाकाम करते हुए सोमवार की रात दो पाकिस्तानी ड्रोनों को मार गिराया। गिराए गए ड्रोनों से लगभग 10 किलो 610 ग्राम हेरोइन बरामद की है। बीएसएफ के जनसंपर्क अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि, सोमवार की रात लगभग 10 बजे, सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने तरनतारन जिले के कलश हवेलियां गांव के पास पाकिस्तान से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने वाले संदिग्ध ड्रोन की भनभनाहट सुनी।

■ **बी.एस.एफ. ने पंजाब सीमा पर पाकिस्तान के दो ड्रोन गिराए।**

राहुल गांधी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सभी संस्कारों और मान्यताओं का पालन करती है।

मजेदार बात ये है कि जब राहुल गांधी कहते हैं कि तपस्या करने वाले वास्तविक लोग श्रमिक, किसान, युवा, बेरोजगार, प्रवासी मजदूर और लघु व मध्यम दर्जे के दुकानदार हैं, जो मोदी की कठोर और गलत नीतियों से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं क्योंकि मोदी ने आम आदमी को थोड़ी बहुत कमाई से भी वंचित कर कुछ चुनिंदा कॉरपोरेट्स और उद्योगपतियों को लाभान्वित किया है, तो लगता है जैसे कि वह तपस्या के विषय का संबंध रैली में उपस्थित श्रोताओं से जोड़ रहे हैं।

वह कहते हैं कि रात-दिन काम करने वाले लोगों की तपस्या को भुलाया नहीं जा सकता तथा उसका जरूर आदर करना चाहिए।

लगता है कि राहुल गांधी अब भाषण की अपनी परिकल्पनाओं को लेकर परिपक्व हो गए हैं क्योंकि श्रोताओं की भीड़ में मौजूद अधिकांश लोग उनके संबोधन के सार को सराह रहे हैं, जबकि पहले वह बेरोजगारी और महंगाई को दो बड़े मुद्दे बताया करते थे।

मध्य प्रदेश में वर्ष 2023 के अंत में विधानसभा चुनाव है और कांग्रेस को इन चुनावों में वापसी करने की उम्मीद है। वह राज्य की 15 माह पुरानी कमलनाथ सरकार को गिराने का भी बदला लेना चाहती है। पार्टी के लोगों को उम्मीद है कि राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के जरिए उनके मंसूबे कामयाब करेंगे।

गद्दार कहे..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गहलोत ने कहा कि आजादी के पहले और बाद में हमारी पार्टी की सबसे बड़ी खूबी यह रही है कि जो नंबर वन नेता होता है, उसके डिसिप्लीन में पार्टी चलती है।

उनके कहने के बाद में कोई गुंजाइश रहती नहीं है। राहुल गांधी ने कह दिया तो हम सब एसैट ही हैं।

श्रीलंकाई 10 हजार डॉलर की भारतीय मुद्रा रख सकते हैं

कोलंबो, 29 नवंबर। श्रीलंका के लोग अब भौतिक रूप में 10,000 डॉलर मूल्य की भारतीय मुद्रा (आई.एन.आर.) रख सकते हैं, हालांकि श्रीलंका में भारतीय रुपये की वैधता नहीं है। यह जानकारी मंगलवार को एक रिपोर्ट में दी गयी।यह कदम श्रीलंका के आई.एन.आर. को विदेशी मुद्रा के रूप में नामित करने के अनुरोध के बाद उठाया गया है जिसे भारत ने मंजूरी दे दी है।समाचार पत्र डेली मिरर ने बताया कि, यह श्रीलंका को आर्थिक संकट से निपटने में मदद करने के लिए सहायता प्रदान करेगा। भारत सरकार के इस निर्णय को एशियाई देशों के बीच भारतीय रुपये को लोकप्रिय बनाने और डॉलर पर निर्भरता कम करने के प्रयासों के अनुरूप भी देखा जा सकता है।

श्रीलंका के निवासी अब आई.एन. आर. को दूसरी मुद्रा में परिवर्तित कर सकेंगे।

श्रीनगर में मौसम की सबसे सर्द रात

श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस कम है

श्रीनगर, 29 नवंबर। कश्मीर घाटी में कड़ाके की ठंड जारी रहने से श्रीनगर में इस मौसम की एक और सबसे सर्द रात दर्ज की गयी है।

मौसम विभाग के प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि, श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस कम था। इससे पिछली रात को न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 1.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था।इससे पहले शनिवार और रविवार के बीच श्रीनगर में सबसे सर्द रात दर्ज की गई थी। जब न्यूनतम तापमान शून्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया था।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे के दौरान घाटी में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि, सात दिसंबर तक घाटी में ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। इसबीच हिमपात होने के कोई आसार नहीं है।

■ **डल झील, बुलेवार्ड रोड, निहाट, शालीमार और अन्य हिस्सों सहित श्रीनगर के अधिकांश हिस्सों में मंगलवार को घना कोहरा छाया रहा।**

विभाग के अनुसार डल झील, बुलेवार्ड रोड, निहाट, शालीमार और अन्य हिस्सों सहित श्रीनगर के अधिकांश हिस्सों में मंगलवार को घना कोहरा छाया रहा। घाटी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस अधिक था।घाटी के एक अन्य लोकप्रिय पर्यटन स्थल पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 4.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस कम था।

चंदन के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टीम सूचना तंत्र के माध्यम से संदिग्ध व्यक्तियों पर निगरानी रख रही थी।

थानाधिकारी कोतवाली चंद्र ज्योति शर्मा मय व उनकी टीम द्वारा दरबार की कोठी स्थित बागवान से एक दर्जन से अधिक चंदन के पेड़ों को काटकर चुराने वाली गैंग के बारे में सूचना लेकर आरोपी असलम खान, हरिराज एवं सत्यनारायण उर्फ शेरू को गिरफ्तार किया गया व उनकी निशान देही पर चंदन के कटे पेड़ों के तनों को बरामद करने में सफलता हासिल की गई। अभियुक्तों से चोरी की वारदात में शामिल अन्य मुजरिम तथा अन्य वारदातों के बारे में गहनता से पूछताछ की जा रही है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908